



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 998]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, मई 20, 2010/वैशाख 30, 1932

No. 998]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 20, 2010/VAISAKHA 30, 1932

राज्य सभा सचिवालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 मई, 2010

का.आ. 1208(अ).—न्यायाधीश (जाँच) अधिनियम, 1968 की धारा 3 की उप-धारा (2) के अधीन दिनांक 15 जनवरी, 2010 की समसंख्यक अधिसूचना के आंशिक आशोधन में राज्य सभा के सभापति ने, कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति पॉल डेनियल दिनाकरन प्रेमकुमार को पद से हटाये जाने के अनुरोध के आधारों की जाँच करने के प्रयोजनार्थ एक समिति का पुनर्गठन किया है, जिसमें निम्नलिखित तीन सदस्य होंगे :—

1. माननीय न्यायमूर्ति वी.एस. सिरपुरकर,  
भारत का उच्चतम न्यायालय,
2. माननीय न्यायमूर्ति जे.एस. खेहर,  
उत्तरांचल उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश; और
3. श्री पी.पी. राव,  
वरिष्ठ अधिवक्ता, भारत का उच्चतम न्यायालय।

[सं. आरएस 8/3/2009-एल]

विवेक कुमार अग्निहोत्री, महासचिव

RAJYA SABHA SECRETARIAT

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th May, 2010

S.O. 1208(E).—In partial modification of the Notification of even No. dated the 15th January, 2010, under sub-section (2) of Section 3 of the Judges (Inquiry) Act, 1968, the Chairman, Rajya Sabha has re-constituted, for the purpose of making an investigation into the grounds on which the removal of Mr. Justice Paul Daniel Dinakaran Premkumar, Chief Justice of the Karnataka High Court is prayed for, a Committee consisting of the following three Members :—

1. Hon'ble Mr. Justice V. S. Sirpurkar,  
Supreme Court of India,
2. Hon'ble Mr. Justice J. S. Khehar,  
Chief Justice of Uttaranchal High Court; and
3. Shri P. P. Rao,  
Senior Advocate, Supreme Court of India.

[No. RS. 8/3/2009-L]

V. K. AGNIHOTRI, Secy.-General